भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1571

31 जुलाई, 2024

"खाद्य तेल और दालों की खपत"

1571. श्री सी. एन. अन्नादुरई :

श्री जी. सेल्वम:

श्री नवसकनी के.:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान देश में खाद्य तेलों और दालों की खपत का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या दालों, खाद्य तेलों और ऐसी अन्य वस्तुओं की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर के कारण इनकी कीमतों में वृद्धि हुई है और इन वस्तुओं के आयात पर निर्भरता बढ़ गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उपरोक्त वस्तुओं के उत्पादन, मांग, आयात और मूल्यों का ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार द्वारा इसकी घरेलू उपलब्धता में सुधार करने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ङ) क्या सरकार का उपभोक्ताओं को राजसहायता प्राप्त दरों पर उपरोक्त वस्तुओं की आपूर्ति करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

च) सरकार द्वारा विदेशों से आयात में कटौती करने तथा देश को दालों और खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या अन्य कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान खाद्य तेल और दालों की खपत का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

...2/-

(ख): देश में घरेलू मांग को पूरा करने के लिए खाद्य तेलों का घरेलू उत्पादन अपर्याप्त है और देश को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है, जो इसकी कुल आवश्यकता का लगभग 55% है। भारत में दालों का कुल उत्पादन घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। तथापि, उपभोग प्राथमिकताओं के कारण तूर, उड़द और मसूर जैसी कुछ दालों के आयात की आवश्यकता होती है। सरकार इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादन, उपलब्धता और कीमतों पर बारीकी से नजर रख रही है और कीमतों को स्थिर करने के लिए घरेलू उत्पादन बढ़ाने के उपायों सहित आवश्यक उपाय कर रही है।

(ग): पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान उपरोक्त वस्तुओं के उत्पादन, मांग, आयात और कीमतों का ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(घ), (ड) और (च): केंद्रीय बजट 2024-25 ने उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं और अर्थव्यवस्था में स्थिर मूल्य व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। आवंटित बजट का उपयोग उपभोक्ता के लिए उपलब्धता और वहनीयता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कृषि-बागवानी खाद्य वस्तुओं में बाजार हस्तक्षेप करने के लिए किया जाएगा।

दालों और प्याज की खरीद से जुड़े पीएसएफ हस्तक्षेप ने भी किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य प्रदान करके लाभान्वित किया है। बजट में घोषित कृषि उत्पादकता और लचीलेपन पर ध्यान केंद्रित करना, जिसमें उच्च उपज देने वाली और जलवायु के अनुकूल किस्मों, भंडारण, आपूर्ति श्रृंखला और विपणन का विकास शामिल है, विशेष रूप से दालों और तिलहनों में, आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मूल्य अस्थिरता को स्थिर करने हेतु बाजार में हस्तक्षेप के लिए मूल्य स्थिरीकरण कोष (पीएसएफ) के तहत दालों और प्याज का बफर स्टॉक बनाए रखा गया है। वर्तमान में, दालों अर्थात तूर, उड़द, मूंग, मसूर और चना का गतिशील बफर स्टॉक बनाए रखा जा रहा है। सरकार के पास स्टॉक की मात्रा ने बाजार के प्लेयरों द्वारा जमाखोरी और अनैतिक सट्टेबाजी को रोकने में भी मदद की।

...3/-

उपभोक्ताओं को वहनीय कीमतों पर दाल उपलब्ध कराने के लिए खुदरा निपटान हेतु पीएसएफ में चना स्टॉक को चना दाल में परिवर्तित करके जुलाई, 2023 में भारत दाल की शुरुआत की गई थी। भारत चना दाल उपभोक्ताओं को 1 किलो के पैक के लिए 60 रुपये प्रति किलो और 30 किलो के पैक के लिए 55 रुपये प्रति किलो की सब्सिडीयुक्त दरों पर उपलब्ध कराई जाती है। दिनांक 22.07.2024 तक खुदरा उपभोक्ताओं को 11.37 लाख टन से अधिक भारत चना दाल बेची गई है।

पीएसएफ बफर में मूंग स्टॉक को मूंग दाल में परिवर्तित करके भारत मूंग दाल को शामिल करने के लिए भारत दाल को विस्तारित किया गया है, ताकि उपभोक्ताओं को मूंग दाल के लिए 107 रुपये प्रति किलोग्राम और मूंग साबुत के लिए 93 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडीयुक्त कीमतों पर खुदरा बिक्री की जा सके।

इसके अलावा, उपभोक्ताओं को 89 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत पर खुदरा बिक्री के लिए पीएसएफ बफर में मसूर स्टॉक को मसूर दाल में परिवर्तित करके मसूर दाल को भी शामिल करने के लिए भारत दाल का विस्तार किया गया है।

बाजार में वहनीय दरों पर आपूर्ति बढ़ाने और इन खाद्य पदार्थों की कीमतों में निरंतर कमी लाने में मदद करने के लिए भारत आटा और भारत चावल की खुदरा बिक्री शुरू की गई है। भारत आटा और भारत चावल को क्रमशः 27.50 रुपये प्रति किलोग्राम और 29 रुपये प्रति किलोग्राम की सब्सिडीयुक्त दरों पर बेचा जाता हैं, जिनकी सब्सिडी मूल्य स्थिरीकरण निधि से वहन की जाती है।

उपभोक्ताओं को सब्सिडीयुक्त दरों पर खाद्य तेल की आपूर्ति करने का कोई प्रस्ताव नहीं है

खाद्य तेल के लिए, भारत सरकार देश में तिलहन (मूंगफली, सोयाबीन, रेपसीड और सरसों, सूरजमुखी, कुसुम, तिल, नाइजर, अलसी और अरंडी) की उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाकर और ऑयल पाम और वृक्ष जनित तिलहन (जैतून, महुआ, कोकम, जंगली खूबानी, नीम, जोजोबा, करंजा, सिमरोबा तुंग, चेउरा और जेट्रोफा) का क्षेत्र विस्तार करके वनस्पति तेलों की उपलब्धता बढ़ाने और खाद्य तेलों के आयात को कम करने के लिए वर्ष 2018-19 से एक केंद्र प्रायोजित योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन- तिलहन और ऑयल पाम (एनएफएसएम-ओएस और ओपी) लागू कर रही है।

सरकार ने ऑयल पाम के लिए एक अलग मिशन शुरू किया है, जो कि खाद्य तेलों (ऑयल पाम) के लिए राष्ट्रीय मिशन-एनएमईओ (ओपी) है, जो उत्तर-पूर्वी राज्यों और अंडमान और

...4/-

निकोबार द्वीप समूह पर विशेष ध्यान देने के साथ देश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देता है।

दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए, कृषि विभाग, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) लागू करता है। दालों की खेती का क्षेत्र बढ़ाना और उन्नत बीजों के माध्यम से उच्च उत्पादकता मिशन के महत्त्वपूर्ण घटक हैं। एनएफएसएम के अंतर्गत शामिल हस्तक्षेपों में पद्धितयों के बेहतर पैकेज पर क्लस्टर प्रदर्शन, फसल प्रणाली पर प्रदर्शन, बीज उत्पादन और एचवाईवी/संकर बीज का वितरण, बेहतर कृषि मशीनरी/संसाधन संरक्षण मशीनरी/उपकरण, कुशल जल अनुप्रयोग उपकरण, पौध संरक्षण उपाय, पोषक तत्व प्रबंधन/मृदा सुधार, प्रसंस्करण और कटाई के बाद के उपकरण, किसानों को फसल प्रणाली आधारित प्रशिक्षण आदि शामिल हैं । दालों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए नई पहल हैं:

- एनएफएसएम-दलहन कार्यक्रम के तहत दालों का ब्रीडर बीज उत्पादन शुरू किया गया था।
- भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान (आईआईपीआर), कानपुर और उनके केंद्रों के माध्यम से भारत में दालों के स्वदेशी उत्पादन के प्रमाणित बीजों को बढ़ाने के लिए 150 बीज हब क्रियान्वित किए जा रहे हैं।
- किसानों को 10 वर्ष से अनधिक(कम) पुरानी दालों के बीज मिनीकिट की निःशुल्क आपूर्ति (100% हिस्सा)।
- राज्य सरकारों के अलावा, आईसीएआर/केवीके/एसएयू भी दालों की पद्धतियों के बेहतर नवीनतम पैकेज पर प्रदर्शन आयोजित करने में शामिल हैं।
- राज्य सरकारों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण बीजों के उत्पादन के लिए एनएफएसएम के तहत दालों के लिए 15% आवंटन निर्धारित किया गया है।

—

लोकसभा में दिनांक 31-07-2024 को उत्तरार्थ आतारांकित प्रश्न संख्या 1571 के भाग-क से संबंधित अनुबंध

अनुबंध-I

पिछले तीन वर्षों में खाद्य तेल की उपलब्धता और खपत (मात्रा लाख टन में)

वर्ष (नवम्बर- अक्तूबर)	कुल उपलब्धता/ खपत
2020-21	246.03
2021-22	258.44
2022-23	289.23

पिछले तीन वर्षों की दाल-वार खपत (मात्र लाख टन में)

दाल	2020-21	2021-22	2022-23
उरद	24.18	32.60	31.89
मूंग	39.72	33.25	35.13
तूर	46.93	50.37	46.05
चना/ग्राम	-	139.95	135.11
मसूर	-	24.60	23.19

स्त्रोत- नीति आयोग द्वारा प्रस्तुत की गई पीएसएफ मूल्यांकन रिपोर्ट।

—

लोकसभा में दिनांक 31-07-2024 को उत्तरार्थ आतारांकित प्रश्न संख्या 1571 के भाग-ग से संबंधित अनुबंध

अनुबंध -II

खाद्य तेल

वर्ष (नवम्बर-अक्तूबर)	खाद्य तेलों का घरेलू उत्पादन	*खाद्य तेलों का आयात	कुल उपलब्धता/ खपत/मांग
2020-21	111.51	134.52	246.03
2021-22	116.5	141.93	258.44
2022-23	124.23**	165.00	289.23
2023-24	121.33**	81.43 (नवम्बर 2023 से मई 2024तक)	-

* वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (वाणिज्य मंत्रालय)

****04.06.2024** को जारी डीएसीएफडब्ल्यू द्वारा घोषित तीसरे अग्रिम अनुमान के आधार पर।

खुदरा मूल्य (रुपये/किलोग्राम)					
वार्षिक औसत (जनवरी-दिसम्बर)	**मूँगफली तेल**	**सरसों तेल**	**सोयाबीन तेल**	**सूरजमुखी तेल**	**पाम तेल**
2021	175	168	145	163	127
2022	189	183	158	178	137
2023	191	157	138	153	111
2024 (26 जुलाई 2024 तक की स्थिति के अनुसार)	189	146	127	138	104

स्त्रोत-डीओसीए

...2/-

थोक मूल्य (रुपये/क्विंटल)					
वार्षिक औसत (जनवरी-दिसम्बर)	मूँगफली तेल	सरसों तेल	सोयाबीन तेल	सूरजमुखी तेल	पाम तेल
2021	16429	15698	13603	15390	11974
2022	17897	17173	14902	16902	12855
2023	17982	14484	12778	14286	10191
2024 (26 जुलाई 2024 तक की स्थिति के अनुसार)	17706	13424	11673	12839	9605

स्त्रोत-डीओसीए

...3/-

दालें

दालों का उत्पादन और आयात

आयात (मात्रा लाख टन में)	
वर्ष	**मात्रा**
2020-21	24.66
2021-22	27.00
2022-23	24.96
2023-24	47.39
2024-25^	11.32
स्त्रोत: डीजीसीआईएस, ^ - मई, 2024 तक आयातित डाटा	
उत्पादन (मात्रा लाख टन में)	
वर्ष	**मात्रा**
2020-21	254.63
2021-22	273.02
2022-23	260.58
2023-24*	244.93
स्त्रोत: डीएएफडब्ल्यू, * - तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार	

*दिनांक **04.06.2024** को जारी डीएसीएफडब्ल्यू द्वारा घोषित तीसरे अग्रिम अनुमान के आधार पर।

खुदरा मूल्य (रुपये/किलोग्राम)					
वार्षिक औसत (जनवरी-दिसम्बर)	**चना दाल**	**मसूर/दाल (दाल/स्प्लिट)**	**मूंग (दाल/ स्प्लिट)**	**तूर(दाल/ स्प्लिट)**	**उरद (दाल/ स्प्लिट)**
2021	75	88	104	106	108
2022	74	96	102	106	106
2023	77	93	110	132	113
2024 (26 July 2024 तक कि स्थिति के अनुसार)	85	94	118	154	125

स्त्रोत-डीओसीए

...4/-

थोक मूल्य (रुपये/क्विंटल)					
वार्षिक औसत (जनवरी-दिसम्बर)	चना दाल	मसूर/दाल (दाल/स्प्लिट)	मूंग (दाल/ स्प्लिट)	तूर(दाल/ स्प्लिट)	उरद (दाल/ स्प्लिट)
2021	6687	7871	9379	9569	9773
2022	6503	8693	9236	9654	9556
2023	6799	8305	10010	12072	10273
2024 (26 जुलाई 2024 तक की स्थिति के अनुसार)	7541	8329	10683	14204	11371

स्त्रोत-डीओसीए